अनुसूची 14 फारम संख्या 562

न्यायलय अनुमंडल दण्डाधिकारी, बगोदर- सरिया, गिरिडीह

आदेश पत्रक दुखन राम ....प्रथम पक्ष

बनाम

पक्ष खुबलाल महतो वगै. ....द्वितीय पक्ष

देखे अभिलेख हस्तक 1941 का नियम 129

आदेश पत्रक ता० ....से ....तक

जिला गिरिडीह।

विविध वाद संख्या ......06/22......**सन् 2021**

धारा 144 **द०प्र०स०**

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे गें टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
23/11/21	आवेदक/आवेदिका – दुखन राम पिता स्व0 गुल्ली राम ग्राम – जनताजरीडीह , थाना – बिरनी, जिला – गिरिडीह. द्वारा दं0 प्र0 स0 कि धारा 144 के अन्तर्गत विवादित भूमि मौजा – जरीडीह थाना नं0 – 70, खाता सं0 – 118 *i.* प्लॉट नं0 – 57 रकवा – 80 डी0 चौहदी उ0 – जुजो प्लॉट दं0 – जुजो प्लॉट पु0 – जुजो प्लॉट पं0 – रास्ता *ii* प्लॉट नं0 – 43 रकवा – 50 डी0 चौहदी उ0 – जुजो प्लॉट दं0 – जुजो प्लॉट पु0 – जुजो प्लॉट पं0 – प्लॉट नं0 57 कुल खाता 1 प्लॉट 2 कुल रकवा 1.30 एकड मे भू–विवाद के कारण निषेधाज्ञा लागू करने हेतु आवेदन दिया गया है। प्रप्त आवेदन पर जॉच/मंतव्य अंचल अधिकारी बिरनी /थाना प्रभारी बिरनी से मांगे। अभिलेख दिनांक ....02.12.21.... को उपस्थापित करें। ह0 23/11 अनु0 दण्डा0 बगोदर-सरिया	391 23/11/21

<table>
<tr><th>श की क्र० सं० और तारीख</th><th>आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर</th><th>आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित</th></tr>
<tr><td>1</td><td>2</td><td>3</td></tr>
<tr><td></td><td>अभीलेख उपस्थापित। मैं ~~थाना प्रभारी~~/अंचल अधिकारी 18 बिरनी के पत्रांक 19 दिनांक 07/01/22 के द्वारा समर्पित किया गया जॉच प्रतिवेदन के आवलोकन के बाद संतुष्ट हूँ कि भुमि विवाद को लेकर उभय पक्षों में शांति भंग होनें की आशंका हैं एवं उभय पक्ष टकराव के लिए तत्पर हैं जिसके कारण उस क्षेत्र में शांति भंग, खुन खराबा तथा उपद्रव हो सकता है, जो मेरे अधिकार क्षेत्र में आता है। इस बात से में संतुष्ट हूॅ कि इस मामले में टकराव को दूर करने तथा इलाके में शांति बनाये रखने के लिए निरोधात्मक कार्रवाई आवश्यक है।

इन तथ्यों के आलोक में उभय पक्षों के विरुद्ध धारा 144 दं० प्र० सं० के अंतर्गत कार्यवाही प्रारंभ किया जाता है तथा उभय पक्षों को 60 दिनों के विवादग्रस्त भूमि पर या उसके नजदीक जाने अथवा किसी भी तरह का कार्य करने के लिए प्रतिबंधित किया जाता है तथा रोका जाता है साथ ही उभय पक्षों से दिनांक 28/01/22 को करण–पृच्छा की मॉग की जाती है कि क्यों नही एक या दोनों पक्षों के विरुद्ध निरोधात्मक आदेश को सम्पुष्ट किया जाय।

लेखापित एवं संशोधित ।

12/01/22 — अनुमंडल दण्डाधिकारी, बगोदर–सरिया।

12/01/22 — अनुमंडल दण्डाधिकारी बगोदर–सरिया।</td><td>अं० अधि० बिरनी के पत्रांक 19 दिनांक 07/01/22</td></tr>
</table>

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
20/01/22	अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष उपस्थित। to 03/02/22	
03/02/22	अभिलेख अस्थापित। प्रथम पक्ष वकालतन उपस्थित। द्वितीय पक्ष उपस्थित। to 17/02/22	
17/2/22	अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष उपस्थित। to 24/02/22	
24/02/22	अभिलेख उपस्थापित। प्रथम पक्ष उपस्थित। द्वितीय पक्ष वकालतन उपस्थित। to 03/03/22	
03/03/22	अभिलेख उपस्थापित। प्रथम पक्ष वकालतन उपस्थित। द्वितीय पक्ष अनुपस्थित। द्वितीय पक्ष विलम्ब से उपस्थित हुआ। उभय पक्ष के विद्वान अधिवक्ता को सुना तथा दाखिल दस्तावेजों का अवलोकन किया। TO 10/03/22	

आदेश की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
10/3/22	अभिलेख उपस्थापित। उभय पक्ष उपस्थित। प्रथम पक्ष की ओर से W/C दाखिल किया गया। आदेशार्थ 12/3/22 को रखें। 10/3/22	
12/3/22	आदेश हेतु अभिलेख उपस्थापित। प्रश्नगत वाद प्रथम पक्ष के आवेदन के आलोक में प्रारम्भ किया गया। द्वितीय पक्ष के द्वारा इसका विरोध करते हुये कारण पृच्छा दाखिल किया गया तथा अपना दखल एवं दावा प्रस्तुत किया गया। प्रश्नगत वाद से सम्बन्धित भूमि गैरमजरुआ खास खाते की है तथा उभय पक्ष सादा हुकुमनामा से प्राप्ति का दावा कर रहे हैं। अंचल अधिकारी द्वारा अपने प्रतिवेदन में स्पष्ट रूप से जमाबंदी का उल्लेख नहीं किया है तथा दखल-कब्जा को विवादित बताया है गया है। दखल-कब्जा एवं स्वामित्व का निर्धारण इस वाद में नहीं किया जा सकता है। चूँकि यह वाद लोक	

.श की क्र० सं० और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कारवाई के बारे में टिप्पणी तारीख सहित
1	2	3
	परिशांति को कायम करने हेतु आरम्भ किया गया था जो द. प्र. स. की धारा 144(4) के अन्तर्गत परिचालित होता है। उक्त विवेचन के आलोक में वाद की कार्यवाई समाप्त की जाती है। 12/1/23 SDM	

Digitally signed by KUNDAN KUMAR
Date: 2023.02.07 13:35:20 +05:30
Location: 192.168.1.4